International Journal for Multidisciplinary Research (IJFMR)
E-ISSN: 2582-2160 ● Website: www.ijfmr.com ● Email: editor@ijfmr.com

भारत चीन संबंध: सामरिक एवं सुरक्षात्मक चुनौतियां

रूपा चौधरी

सहायक आचार्य
राजनीति विज्ञान, राजकीय महाविद्यालय, निवाई, टोंक

सारांश -
भारत चीन संबंध भारत की विदेश नीति की ऐसी उलझी हुई गुत्थी है जिसके परिपेक्ष में भारत दिग्भ्रमित है भारत व चीन यद्यपि हजारों वर्षों से प्राचीन संस्कृति के वाहक है परंतु दोनों देशों के बीच वैचारिक एवं सांस्कृतिक असमानता व अंतर्दवंद का प्रभाव पूरे एशिया पर दिखाई देता है | जहां 2020 के गलवान संघर्ष के बाद सीमा पर तनाव सामरिक मुद्दा बना हुआ है चीन द्वारा भारत की सामुद्रिक घेराबंदी एवं इस क्षेत्र में संभावित चीन अमेरिकी स्पर्धा तथा महत्वपूर्ण देशों के अतिरिक्त पाकिस्तान अफगानिस्तान व ईरान आदि के माध्यम से हिंद महासागरीय क्षेत्र में चीन की बढ़ रही उपस्थित सामुद्रिक सुरक्षा हेतु भारत के लिए प्रमुख चुनौती है | भारत के आसपास के पड़ोसी देश भारत की गहरा बंदी करने की चीनी बिसात के मोहरे बने हुए हैं | सामरिक दृष्टि से देखा जाए तो चीन हर बार स्पष्ट रूप से राजनयिक, राजनीतिक और सैन्य रवैया को दिखाता रहा है |

मुख्य शब्द - सामरिक, सुरक्षात्मक, हिंद महासागर, सामुद्रिक, राजनयिक, बंदरगाह, ग्वादर, मोतियों की माला

सीमा सुरक्षा चुनौतियां -

स्थल सीमा में चीन की घेराबंदी भारत और चीन के बीच लगभग 4000 किलोमीटर लंबी सीमा है, जिसे द्विपक्षीय समझोतो एवं प्रशासकीय व्यवस्थाओं से नियमित किया गया | जिसका फैलाव उत्तर पश्चिम में कश्मीर से हिमालय पर्वत श्रृंखला से होते हुए भारत म्यांमार तथा चीन के त्रिकोण तक है| भारत चीन सीमा विवाद प्रमुख रूप से उत्तर पूर्व में मेकमोहन रेखा तथा उत्तर पश्चिम में लद्दाख से संबंधित है |1 चीन भारत को चारों तरफ से घेरने के लिए सीमा पर इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण कार्य शुरू कर रहा है | ताकि वह भारत पर दबाव बना सके | तीन तिब्बत के सुरक्षात्मक महत्व को देखते हुए वहां से विकास के नाम पर अपनी गतिविधियों का संचालन करता है |2 पाक अधिकृत कश्मीर में चीन की बढ़ रही सामरिक गतिविधियां भारत की सुरक्षा के लिए अच्छे संकेत नहीं है | पाक अधिकृत कश्मीर में गिलगित व बलूचिस्तान क्षेत्र में चीन को पाकिस्तान द्वारा वास्तविक नियंत्रण सौंपने की जो कूटनीतिक चाल चली जा रही है उसके गंभीर कूटनीतिक एवं सामरिक निहितार्थ है विशेष कर हिंद महासागर समुद्री सीमा में चीन की चुनौती के संदर्भ में |3 हिंद महासागर में अपना प्रभुत्व बढ़ाने के लिए चीन ने पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह को आधुनिक तकनीकी के द्वारा विकसित कर रहा है | इसके साथ मोतियों की माला नीति के तहत श्रीलंका के हंबनटोटा, बांग्लादेश में चटगांव, और म्यांमार में कोको बंदरगाह विकसित कर भारत की सुरक्षा के लिए खतरा उत्पन्न कर रहा है |4 चीन पूर्वी चीन सागर में अपनी मजबूती और नौसैनिक ताकत को अधिक सुधार करने के कदम उठा रहा है | दक्षिण चीन सागर में चीन लगातार सैन्य गतिविधियों को ठिकानों को बढ़ा रहा है और स्पेरटेली द्वीप में रनवे की तैयारी कर रहा है |5

आर्थिक एवं व्यापारिक असंतुलन संबंधी चुनौतियां –

भारत चीन व्यापार से होने वाली चुनौतियों का आकलन करने के लिए गुणांक में आकलन से अनुमान लगा सकते हैं दोनों के मध्य प्रतियोगिता की हद समय के साथ कमजोर हो गई है क्योंकि चीन तेजी से आईटी और इलेक्ट्रॉनिक में विशेषज्ञ है | भारत जबकि चमड़ा और कपड़ा उत्पादन में अव्वल है चीन के निर्यात संरचना कौशल कि निर्यात शेयरो के साथ बदल रहा है |6 भारत और चीन के मध्य व्यापार संबंधित भारी असंतुलन है | चीन से 60 अरब का माल भारत मंगवाता है, वही भारत 12 अरब का माल चीन को भेजता है | इस प्रकार से 48 अरब का असंतुलन भारत के लिए घाटे का सौदा है चीन अपने घटिया उत्पादों का भारत में इस्तेमाल करता है |7

चीन पाकिस्तान के मध्य सामरिक व नाभिकीय सहयोग संबंधी चुनौतियां -

चीन का पाकिस्तान के प्रति सामरिक लगाओ भारत चीन विश्वास में भटकाव उत्पन्न करता है | चीन द्वारा पाकिस्तान को दिए जा रहे आधुनिक हथियारों को लेकर उत्पन्न सुरक्षा चिंता विश्वास की मुख्य समस्या है |8

रक्षा व्यय संबंधी चुनौती -

चीन माओ से लेकर देंग के शासनकाल और वर्तमान समय तक सैन्य क्षमताओं को आगे बढ़ने पर जोर देता रहा है | 2018 में चीन का रक्षा बजट 175 अरब अमेरिकी डॉलर यानी 11380 अरब रुपए हो गया | यह भारत के बजट की तुलना में करीब तीन गुना है |9

चीन के साइबर आक्रमण संबंधी चुनौतियां –

चीन का साइबर आक्रमण एक शोचनीय प्रश्न बना हुआ है | चीन भारत के संवेदनशील सूचना तंत्र पर घुसपैठ कर रखा है | उसकी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी की साइबर वॉरफेयर यूनिट इस काम में संलंग्न है | और अक्साई चीन में चीन की सेनाए तेजी से इलेक्ट्रॉनिक्स श्रवण केंद्र स्थापित कर रही है लिसनिंग सेंटर से चीन भारतीय सीमा क्षेत्र में सेना की गतिविधियों के साथ-साथ सूचना तंत्र पर घुसपैठ कर सकेगा |10

विश्व राजनीति के संदर्भ में चुनौतियां –

अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा द्वारा यह घोषित किया गया कि चीन एक खतरा है, जबकि भारत एक साझेदार है से यह पता चलता है कि अफगानिस्तान संकट ईरान की नाभिकीय गुत्थी तथा विश्व शक्ति के रूप में चीन के उत्थान से अपनी एशियाई नीति में भारत के बाह्य सामरिक परिवेश के वर्तमान और भावीं स्वरूप तथा बढ रहे भू राजनीतिक महत्व का पूर्व आकलन करके भारत केंद्रित नीति को मूर्त रूप देने की कोशिश कर रहा है | क्योंकि ईरान पाकिस्तान व चीन के मध्य सह संबंधों की भावीं संभावनाएं है |11 अमेरिकी एशियाई रणनीति के केंद्र में चीनी ही है जिसे वह संतुलित कर चीन के वैश्विक उदय को निस्तेज व निश्चित प्रभावित करना चाहता है भारत अमेरिकी रणनीतिक समीपता की पृष्ठभूमि में अमेरिका को मिल रही चुनौती ही निर्णायक कारक है जिससे अमेरिका शक्तिशाली हो रहे भारत को अपनी चीन विरोधी गतिविधियों का माध्यम बनाना चाहता है| ओबोर अपनाने के पीछे भी चीन का उद्देश्य युद्ध के बाद दोबारा खड़े हुए यूरोप के मार्शल प्लेन के चीनी संस्करण को दुनिया में फैलाना ही नहीं है अपितु इसके जरिये वह एशिया, अफ्रीका और यूरोप में व्यापार वाणिज्य बढ़ाने की जमीन तलाश कर रहा है |12

निष्कर्ष -

भारत चीन संबंधों का यदि आकलन करें तो यह ताश के एक खेल की तरह है | जिसमें दोनों ही अपनी रणनीति बनाते समय भावनाओं को महत्व नहीं देते हैं और अपने-अपने रूख पर कायम रहते हैं | भारत और चीन का भविष्य "द्वंद्व

और सहयोग" के बीच संतुलन बनाने पर निर्भर करता है | यद्यपि आर्थिक संबंध दोनों देशों को करीब लाते हैं लेकिन सीमाई अविश्वास और भू- राजनीतिक प्रतिद्वंदिता संबंधों को प्रभावित कर रही है | भारत के लिए जरूरी है कि वह सैन्य शक्ति बढ़ाने के साथ-साथ कूटनीतिक संबंध बनाए रखें |तीन क्षेत्र अंतरिक्ष, मिसाइल और परमाणु में चीन भारत से आगे हैं, इसलिए हमें अपनी क्षमताओं का भारी विकास करना होगा |चीन की "मोतियों की माला" नीति को बेअसर करने के लिए भारत को अपनी एक्ट ईस्ट पॉलिसी को तेज करना होगा और हिन्द प्रशांत क्षेत्र में स्थिति मजबूत करनी होगी | अंत में यही कहां जा सकता है कि भारत को चीन के संबंध में समग्र रणनीति बनानी होगी |

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. सूरी. एस. सुरेंद्र नेगोटिएक्टिंग स्टाइल्स ऑफ़ चाइना एंड इंडिया नई दिल्ली 1985 पृष्ठ -53
2. अरविंद कुमार प्रणव "इंडिया चीन रिलेशंस प्रोस्पेक्टस फॉर बिल्डिंग सिनर्जी इन द ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी :मणिपुर सेंटर फॉर एशियन स्टडीज मणिपुर 2012
3. माधवराम "असहज पड़ोसी : युद्ध के 50 वर्षों बाद भारत और चीन " प्रभात प्रकाशन दिल्ली 2015 पृष्ठ 179
4. बघेल डॉ वीरेंद्र सिंह "भारत चीन युद्धशती मूल्यांकन ओरिएंट क्राफ्ट पब्लिकेशन नई दिल्ली 2014 पृष्ठ 225
5. अहमद डॉ. सलीम "पश्चिम एशिया में ऊर्जा सुरक्षा उभरते भारत में जरूरत वर्ल्ड फॉक्स जुलाई 2015 पृष्ठ 83
6. भंडारी जयंतीलाल 'चीन व्यापार में आगे क्यों, राजस्थान पत्रिका जयपुर, 10 अगस्त 2007
7. बघेल डॉ. वीरेंद्र सिंह "भारत को घेरता चीन "आत्माराम एन्ड संस, नई दिल्ली 2017 पृष्ठ 45- 46
8. चौहान भारती | "चीन पाकिस्तान के संदर्भ में भारतीय नीति" प्रतियोगिता दर्पण मार्च 2008 पृष्ठ 14
9. इकोनॉमिक्स टाइम्स 6 मार्च 2018
10. मोहन सी. राजा स्लीपिंग इन न्यू दिल्ली (द इंडियन एक्सप्रेस 10 जनवरी, 2012)
11. पंत हर्ष वी. टेक्नोटिक अंबलिंग इन द रीजन (द इंडियन एक्सप्रेस 11 जनवरी 2012)
12. समाचार पत्र द इंडियन एक्सप्रेस नई दिल्ली 1 दिसंबर, 2011